श्रीवीतरागाय नमः ।

जैनपदसंग्रह

प्रथमभाग ।

अर्थात्

स्वर्गीय कविवर दौलतरामजीके

१२४ पदोंका संग्रह ।

जिसको

देवरीनिवासी श्रीनाथूरामप्रेमीने

संशोधित किया

और

मुम्बयीस्थ-जैनग्रन्थरत्नाकरकार्यालयने

मुम्बईके

निर्णयसागरप्रेसमें वा. रा. घाणेकरके द्वारा

छपाकर प्रसिद्ध किया ।

श्रीवीरनिर्वाण संवत् २४३५ । ईसवी सन् १९०९.

तृतीयवार १००० प्रति] [मूल्य ६ आने ।